Title : Regarding measures taken by the Government to provide relief and rehabilitation to the incidents of 26 November, 2008 terrorist attack in Mumbai, Maharashtra.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी (गांधीनगर): महोदया, आज 26 नवंबर है और यह उपयुक्त ही था कि आपने आज प्रातःकाल एक साल पहले हुई भयंकर घटना को स्मरण करके उस सन्दर्भ में जो शहीद हुए, उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए, जिन सुरक्षाकर्मियों ने वीरता के साथ उस हमले का मुकाबला किया, उनको साधुवाद दिया और सदन की ओर से देश के संकल्प को अभिव्यक्त किया कि हम आतंकवाद के साथ समझौता नहीं करेंगे, उसके ऊपर विजय प्राप्त करके ही छोड़ेंगे।

जब भी कभी ऐसी कोई त्रासदी होती है, उसके बाद का एक पहलू है, जिसको कभी-कभी हम भूल जाते हैं और वह है कि जो लोग त्रासदी के शिकार हैं, चाहे व्यक्ति हों या परिवार हों, उनको रिलीफ और रिहैबिलिटेशन एक लम्बी बात है। मुझे स्मरण है कि वर्ष 2006 में मुंबई में लोकल ट्रेन्स पर एक साथ हमला हुआ था, उनमें 1,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए थे। उन लोगों को रिहैबिलिटेट करने के लिए, रिलीफ पहुंचाने के लिए मेरे एक साथी जो पहले लोक सभा के सदस्य रहे हैं, श्री किरीट सोमैया और अनेक एनजीओज लगे रहे, लेकिन साल भर बाद भी उनको बहुत कम सहायता मिल पाई थी। मुझे वहां बुलाया गया, जो प्रभावित लोग थे उनका सम्मेलन किया गया, मैंने एक-एक व्यक्ति से बात की और उस समय तक जो लोग हॉस्पिटल में थे, मैं हॉस्पिटल जाकर उन लोगों से मिला था। फिर प्रधानमंत्री को कहना पड़ा, ह्यूमन राइट्स कमीशन को एप्रोच करनी पड़ी, इसके कारण दो साल में उनको कुछ राहत मिली। आज मैं आपको बता सकता हूं जो लोग इस काम में लगे हुए हैं। 26 नवंबर की घटना में कुल मिलाकर 164 लोग मारे गए और 239 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। जो लोग मारे गए या जो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, उनके बारे में राज्य सरकार की ओर से घोषणाएं हुईं कि हम उनको यह-यह सहायता देंगे, केन्द्र सरकार की ओर से घोषणाएं हुईं कि हम उनको यह-यह सहायता देंगे, पीएमओ से भी घोषणाएं हुईं कि हम उनको यह-यह सहायता देंगे। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि कुल मिलाकर जो एलिजिबल लोग थे, जिनको सहायता मिलनी चाहिए, उनकी संख्या 403 है, जिनमें से केवल 118 लोगों को कंपेनसेशन प्राप्त हुआ है, उनके पास चैक पहुंचे हैं। ...(व्यवधान) मैं इस तरह की कोई टिप्पणी नहीं चाहता। मैं जानता हूं कि इस कार्य में बहुत सारी कठिनाइयां इस कारण से भी आती हैं कि कोआर्डिनेशन में दिक्कतें आती हैं। जो लोग इसमें लगे हुए हैं, जब मैंने उनसे पूछा तो पता चला कि इस काम में कुल मिलाकर 12 डिफ्रेंट एजेंसीज लगी हैं जिनके कोआर्डिनेशन से लोगों को सहायता मिलती है। 12 एजेंसीज में से 8 राज्य सरकार की हैं और चार केन्द्रीय सरकार की एजेंसीज हैं। केन्द्र सरकार की एजेंसीज में पीएमओ, होम मिनिस्ट्री, रेलवेज और रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल हैं। इस प्रकार से इतनी एजेंसीज हैं, इनसे सम्पर्क करके ही लोगों को सहायता मिलती है। इसका परिणाम यह है कि आज भी 64 ऐसे लोग हैं, जो एलिजिबल हैं रेलवेज में जॉब्स पाने के लिए, लेकिन उनमें से अभी तक केवल 32 लोगों को ऑफर गए हैं, बाकी लोगों को ऑफर नहीं गए हैं, उन तक ऑफर ही नहीं पहुंचे हैं। 24 लोग गंभीर रूप से घायल घोषित हुए हैं, जिनके शरीर में आज भी गोलियां पड़ी हुई हैं, कुछ आपरेशन्स हुए हैं, कुछ और आपरेशन्स होने बाकी हैं। ऐसी कई चीजें हैं जिनकी कमी है।

मैं इसके बारे में एक सुझाव देना चाहता हूं। इस समय यहां सदन के नेता बैठे हुए हैं, कुल मिलाकर यह कार्य प्रमुख रूप से गृहमंत्रालय को करना चाहिए। गृह मंत्रालय को कोआर्डिनेशन का पूरा काम करना चाहिए। केन्द्र के जो विभाग हैं उनसे भी कोआर्डिनेट करना चाहिए और राज्य के जो विभाग हैं, उन्हें भी आवश्यक निर्देश देने चाहिए। यह स्थिति बिल्कुल नहीं आनी चाहिए कि किसी मृतक की विधवा को दिल्ली में आकर यह कहना पड़े कि मुझे नहीं मिला, ऐसा हुआ है। इसलिए यह स्थिति बिल्कुल परिवर्तित होनी चाहिए। इसीलिए हमने प्रातःकाल इस सदन में जो संकल्प किया, उसके साथ-साथ यह संकल्प भी जोड़ना चाहिए कि जो भी उस घटना के शिकार हुए हैं, उन्हें यथाशीघ्र और योग्य सहायता केन्द्र तथा राज्य की ओर से मिलनी चाहिए, वह अवश्य मिलेगी। इसके लिए अगर जरूरी हो तो गृह मंत्रालय में एक छोटा सेल बनाना चाहिए। उसमें किसी अधिकारी को ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी तैनात किया जाए। जो इस बात को परस्यू करता रहे कि किसे मिला, किसे नहीं मिला और नहीं मिला तो क्यों नहीं मिला, यही मेरा निवेदन है।

SHRI ANANTH KUMAR (BANGALORE SOUTH): Madam, the Leader of the House should reply to it.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Do not make it a precedent. Shri Ananth Kumar, please take your seat. I am on my legs. As the Leader of the Opposition was speaking, I came from my room only to listen to him. But do not make it a precedent that every 'Zero Hour' reference is to be responded. I have come here only to listen to him and not to listen to you. ...(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : You need not. But, it is a 'Zero Hour' reference....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Today is a very solemn day. He has spoken on something very serious.

...(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : Do not make it a political issue....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please take your seat. Shri Madhu Goud Yaskhi to speak.

SHRI MADHU GOUD YASKHI (NIZAMABAD): Thank you Madam Speaker for allowing me to speak.

अध्यक्ष महोदया: आप कृपया बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

श्री गणेश सिंह (सतना): यह सरकार की नाकामी नहीं तो और क्या है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: कृपया आप बैठ जाएं। शून्य काल को चलने दें।

...(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: When they can say something, they never speak. Whether the Speaker speaks or whether the Leader of the Opposition speaks, you will have to say something. Please do not have this practice....(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : Pranab ji, I respect you. But you are responsible to the House. You are responsible to the country. It is your duty. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: मैं समझ रही हूं, इसी संदर्भ में सारी बातें कही गई हैं।

...(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR : He should assure the House. He should assure the country. ...(*Interruptions*)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): जब नेता विपक्ष बोल रहे थे, तो हमारी तरफ से कोई बीच में नहीं बोला। अब जब सदन के नेता खड़े हुए हैं तो ये लोग व्यवधान डाल रहे हैं। यह कौन सी परम्परा है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: सिर्फ मधु गौडा यास्खी जी की बात ही रिकार्ड में जाएगी।

...(व्यवधान) *

SHRI MADHU GOUD YASKHI : Thank you Madam Speaker for allowing me to raise a very important matter of urgent public importance. ...(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : We want your protection....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: This is 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

SHRI ANANTH KUMAR : He should not be so partisan. For the last one year, compensation has not been paid....(*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I cannot respond instantaneously on 'Zero Hour' matter. This has never been done. We cannot do it. I listened to the Leader of the Opposition. I came here only to listen to him because the Leader of the Opposition was speaking....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Leader of the House is saying something. Please sit down.

...(*Interruptions*)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: But it has not been the practice that the Leader of the House will always respond to 'Zero Hour' matter. It is not possible....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: आप कृपया बैठ जाएं।

...(व्यवधान)

SHRI ANANTH KUMAR : It is not a 'Zero Hour' response. Today is a very very poignant day. For the last one year, no compensation has been given....(*Interruptions*) They have got a duty to the entire country.

*(Interruptions) â€¦ **

MADAM SPEAKER: All this will not go on record. Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों खड़े हो गये हैं, आप बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद पूर्व): जिन्होंने पूरे देश को बचाया, उनके परिवार की भावनाओं को रखना हमारा कर्तव्य है और यह आवश्यक है। ...(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: You are making politics of it. You made politics on earlier occasions and you were paid back in your own coin. You are making politics on 26/11, and you will again be paid back in your coin. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइये। जब हम खड़े हैं तो कृपा करके आप बैठ जाइये। आज का दिन बहुत दुखद दिन है। आज का दिन श्रृद्धांजलि देने से प्रारम्भ हुआ और एक संकल्प पूरे सदन की सहमति से यहां पारित हुआ। उसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने अपना मत रखा। आज का दिन इस तरह का सोलम-डे है कि मैं समझती हूं कि शून्य प्रहर में यह आवश्यक नहीं है और मैं उन्हें उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं कर सकती हूं। सदन के नेता ने कहा है कि वे विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को सुनने आये थे और उन्होंने उन्हें सुना है और जो-जो बातें उन्होंने कही हैं, सब उन्होंने नोट कर ली हैं और उन्होंने आश्वासन भी दिया है। मेरे ख्याल से आज के इस बहुत ही दुखद दिन को इस संदर्भ में रखते हुए आगे की कार्यवाही को बढ़ाएं, ऐसा मेरा अनुरोध है।